CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 10 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संकेत देने वाली होती है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। वाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉक्टर ह्यूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। वह संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

I. ह्यूड ने मनुष्य के लिए सबसे बहुमूल्य वस्तु किसे बताया है?
   i. आनंद को
   ii. हँसी को
   iii. दवा को
   iv. आशा को

II. डॉक्टर ने हँसी को किसके समान बताया है?
   i. दवा के
   ii. मीठी मदिरा के
   iii. कडवी मदिरा के

iv. मदिरा के

III. एक बालक को हँसाने पर क्या होगा?

i. उसकी आशा बढ़ती है

ii. उसकी ख़ुशी बढती है

iii. उसका स्वास्थ्य बढ़ता है

iv. उसे आनंद मिलता है

IV. गद्यांश में ईश्वर द्वारा प्रदत्त बड़ी प्यारी वस्तु किसे कहा गया है और क्यों?

i. बाहरी हँसी

ii. हँसी

iii. ख़ुशी

iv. आन्तरिक हँसी

V. उदास को हँसाने पर क्या होता है?

i. वह हँसता है

ii. वह रोता है

iii. वह प्रसन्न होता है

iv. उसका दुःख घटता है

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्श है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद की परिस्थितियों का भी युग-निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरुचि भी बदलती है।

अत: कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दोरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला-पिंगला, सुषुम्ना, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती।

साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवन-मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियाँ जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव-विकास के लिए पथ-प्रदर्शक का काम करती हैं। पुराने साहित्य का केवल वही श्री-सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति-रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं।

वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए। किंतु वे भूल जाते हैं कि

साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव-जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांत:सुखाय काव्य-रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव-समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंत:करण में संपूर्ण संसार की सुख-भावना एवं हित-कामना सन्तिहित रहती है। जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक-जीवन में सत्रिविष्ट कर देता है, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

I. पुराने साहित्य के प्रति अरुचि का क्या कारण है?
   i. पाठकों की मानसिकता और अभिरुचि का बदलना
   ii. समय का बदलना
   iii. साहित्य का बदलना
   iv. परिस्थितियाँ बदलना

II. जीवन के विकास में पुराने साहित्य का कोन-सा अंश स्वीकार्य नहीं है ?
   i. जो नवीन परिस्थितियों में सहायक न हो
   ii. जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक हो
   iii. जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक न हो
   iv. जो युग निर्माता हो

III. साहित्यकार कैसा होता है?
   i. सापेक्ष
   ii. अनपेक्ष
   iii. निरपेक्ष
   iv. अनुपेक्ष

IV. सामयिक परिवेश बदलने का कविता पर क्या प्रभाव पड़ता है?
   i. वह नवीन हो जाती है
   ii. वह उत्तेजना उत्पन्न नहीं करती
   iii. वह उत्तेजना उत्पन्न करती है
   iv. वह पुराणी हो जाती है

V. साहित्य की श्रेष्ठता के आधार क्या हैं?
   i. वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक हैं
   ii. वे जीवन मूल्य जो साहित्य के विकास में सहायक हैं
   iii. वे जीवन मूल्य जो साहित्य के विकास में सहायक नहीं हैं
   iv. वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक नहीं हैं

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

इस देश-धरा की व्यथा-कथा, निज टीस समझकर पहचानो।
संकट की दुर्दिन-वेला में, मानव की गरिमा को जानो॥

इस धरती पर तो अकर्मण्य को, जीने का अधिकार नहीं।
मानव कैसा, यदि मानवता से, हो स्वाभाविक प्यार नहीं॥
यह दुनिया का है अटल-चक्र, तुम मानो चाहे न मानो। ।
इस देश धरा की व्यथा-कथा, निज टीस समझकर पहचानो।
है हर्ष-विषाद निरंतर क्रम, या है सह जीवन का स्पंदन।
हैं कहीं गूंजते अट्टहास, तो कहीं मचलते हैं क्रंदन ॥
क्यों पीछे दौड़े हो सुख के, दुख को भी तो अपना मानो।
इस देश-धरा की व्यथा-कथा, निज टीस समझकर पहचानो।
अति दुर्गम ये राहें जग की, इनका है कोई पार नहीं।
संघर्ष सार है जीवन का कुछ विषय-भोग का द्वार नहीं।
धारो जीवन में हंस-वृत्ति, फिर नीर-क्षीर अंतर जानो।
इस देश-धरा की व्यथा-कथा निज टीस समझकर पहचानो॥

I. इस धरती पर जीने का अधिकार किन्हें नहीं है?
   i. अकर्मण्य को
   ii. कर्मण्य को
   iii. परिश्रमी को
   iv. मेहनती को

II. सच्ची मानवता किसे कहा गया है?
   i. मानव को दुखी करने वाले को
   ii. मानव से प्यार करने वाले को
   iii. अट्टहास करने वाले को
   iv. क्रंदन करने वाले को

III. कवि लोगों से क्या आह्वान कर रहा है?
   i. अकर्मण्यता को अपनाने का
   ii. अटल चक्र अपनाने को
   iii. दूसरों के दुःख को अपना मानने को
   iv. दुर्गम राहों कके चुनाव की

IV. कवि ने लोगों को जीवन की किस सच्चाई से अवगत कराया है?
   i. संकट की दुर्दिन वेला से
   ii. हर्ष - विषाद के निरंतर कर्म से
   iii. व्यथा - कथा से
   iv. निज टीस को समझने की

V. जीवन का सार किसे कहा गया है?

i. संघर्ष को
ii. हर्ष - विषाद को
iii. मानवता को
iv. अट्टहास को

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!
पुस्तकों में है नहीं, छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जुबानी,
अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर, छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ, पंथी, पंथ का अनुमान कर ले!
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!
है अनिश्चित किस जगह पर, सरित-गिरि-गह्वर मिलेंगे,
है अनिश्चित किस जगह पर, बाग-बन सुंदर मिलेंगे,
किस जगह यात्रा खत्म हो जाएगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित, कब सुमन, कब कंटकों के सर मिलेंगे,
कौन सहसा छूट जाएँगे, मिलेंगे कौन सहसा,
आ पड़े कुछ भी, रुकेगा तू न, ऐसी आन कर ले!
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!

I. कवि ने बटोही को क्या सलाह दी है ?
   i. पथ की पहचान करने की।
   ii. पुस्तकों की पहचान करने की।
   iii. कंटकों को पहचान करने की।
   iv. यात्रा को समाप्त करने की।
II. हमें जीवन पथ पर चलने की की प्रेरणा किससे मिलती है?
   i. लोगों से
   ii. पथ से
   iii. मार्ग से
   iv. मूक निशानी से
III. कवि ने जीवन मार्ग में क्या-क्या अनिश्चितताएँ बताई हैं?

i. साथ चलने वाले लोगों का एक साथ छोड़ देना।

ii. नए यात्रियों का मिल जाना।

iii. जीवन का कभी भी समाप्त होना।

iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं।

IV. काव्यांश के माध्यम से कवि ने क्या बनने की प्रेरणा दी है?

i. कर्मवीर

ii. धर्मवीर

iii. युद्धवीर

iv. महानवीर

V. काव्यांश में कवि ने मानव को किसके प्रति सचेत किया है?

i. मानव के प्रति

ii. पथ के प्रति

iii. जीवन की कठिनाइयों के प्रति

iv. रास्ते के प्रति

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक _____ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?

a. तीन

b. चार

c. एक

d. दो

ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -

a. भाववाच्य

b. ये सभी

c. कर्तृवाच्य

d. कर्मवाच्य

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -

a. कर्मवाच्य

b. भाववाच्य

c. संज्ञावाच्य

d. कर्तृवाच्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना _____ कहलाता है।

a. अर्थ

b. शब्द

c. भाव

d. पद परिचय

ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दु:ख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म, नफीस या एब्सट्रैक्ट तरीका ज़रूर कहा जा सकता है परंतु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है? नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, खीरा लज़ीज़ होता है लेकिन होता है सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।' ज्ञान-चक्षु खुल गए! पहचाना-ये हैं नयी कहानी के लेखक! खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से पेट भर जाने पर डकार आ सकता है तो बिना विचार, घटना और पात्रों के, लेखक की इच्छा मात्र से 'नयी कहानी' क्यों नहीं बन सकती?

I. लेखक किस बात पर गौर कर रहे थे ?

i. खीरे के इस्तेमाल के तरीके पर

ii. नवाब साहब की हरकतों पर

iii. अपनी कहानी पर

iv. ट्रेन के सफर पर

II. नवाब साहब ने जैसे खीरे का इस्तेमाल किया, क्या इससे उदर की तृप्ति हो सकती है ?

i. नहीं हो सकती

ii. हाँ, हो सकती है

iii. कभी-कभी हो सकती है

iv. नवाब साहब की हो सकती है

III. लज़ीज़ शब्द का क्या अर्थ है ?

i. भारी

ii. स्वादिष्ट

iii. चटपटा

iv. कड़ुआ

IV. नवाब साहब के खीरा खाने के अंदाज़ का लेखक पर क्या असर पड़ा ?

i. लेखक खीरे को पसंद करने लगे

ii. उन्हें खीरे के गुण-दोषों की जानकारी मिल गई

iii. लेखक के ज्ञान-चक्षु खुल गए

iv. वे खीरे से नफरत करने लगे

V. 'एब्स्ट्रेक्ट' तरीके से लेखक का क्या आशय है ?

i. सबसे अनोखा तरीका

ii. नवाबी तरीका

iii. इस्तेमाल का नया तरीका

iv. ऐसा तरीका जिसका भौतिक अस्तित्व नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. मूर्ति लगवाने का कार्य किसने किया था ?

a. हालदार साहब ने

b. नगरपालिका के अधिकारी ने

c. चश्मेवाले ने

d. पानवाले ने

ii. फादर बुल्के किस भाषा से असीम लगाव रखते थे ?

a. जर्मन भाषा

b. हिंदी भाषा

c. फ्रेंच भाषा

d. उर्दू भाषा

iii. लेखक के लिए फादर बुल्के कैसे थे?

a. पुरोहित जैसे

b. भाई जैसे

c. मार्गदर्शक जैसे

d. बड़े भाई और पुरोहित जैसे

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्य जल माहूँ तेल की गागरिं, बूंद न ताका लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्दी, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पाग।

I. 'गुर घाँटी ज्यौं पागी' में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

i. ईर्ष्या

ii. प्रेम

iii. दीवानगी

iv. सम्मान

II. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस से की गई है?

i. कृष्ण से

ii. भौंरे से

iii. विरह की आग से

iv. कमल के पत्ते से

III. 'अति बड़भागी' कहकर किस पर व्यंग्य किया गया है?

i. कृष्ण

ii. गोपियों

iii. उद्धव

iv. सूरदास

IV. **परागी** शब्द का क्या अर्थ है?

i. मुग्ध होना

ii. दाग

iii. डुबाना

iv. भाग्यवान

V. **प्रीति-नदी** का तात्पर्य किससे है?

i. एक नदी

ii. प्रेम की नदी

iii. विरह की नदी

iv. योग की नदी

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. संभुधनु भंजनिहारा कौन है?

a. विश्वामित्र

b. परशुराम

c. वशिष्ठ

d. राम

ii. कन्यादान कविता किसके द्वारा रचित है?

a. महादेवी वर्मा

b. गिरिजाकुमार माथुर

c. निराला

d. ऋतुराज

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. मोह और प्रेम में अन्तर होता है। बालगोबिन भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन को सत्य सिद्ध करेंगे?

ii. 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखक ने यात्रा करने के लिये सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

iii. वाक्य पात्र की कौन-सी विशेषता की ओर संकेत करता है- पानवाला उदास हो गया। उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखे पोंछता हुआ बोला- साहब! कैप्टन मर गया।

iv. 'परिमल' की गोष्ठियों में फादर की क्या स्थिति थी ? लेखक तथा अन्य प्रतिभागियों के साथ उनके संबंध कैसे थे ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' काव्य-पंक्ति से कवि ऋतुराज का क्या अभिप्राय है?

ii. उत्साह कवि की कैसी रचना है ?

iii. साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. शिशु का नाम भोलानाथ कैसे पड़ा? माता का अँचल पाठ के आधार पर बताइए।

ii. रानी के दौरे का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा था, वैसे-वैसे सरकारी तंत्र के माथे पर बल पड़ते जा रहे थे। माथे पर बल पड़ने के क्या कारण थे? जॉर्ज पंचम की नाक पाठ के आधार पर बताइए।

iii. 'काश कश्मीर के साथ भी ऐसा सहज विलय हो जाता' लेखिको मधु कांकरिया का इस बात को कहने के पीछे क्या उद्देश्य

निहित है ? आपके मन में कश्मीर की स्थिति पर विचार करके क्या अनुभव होता है?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

ii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

iii. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

15. चेन्नई निवासी मित्र गोविंदन को ग्रीष्मावकाश में रानीखेत-नैनीताल की यात्रा के लिए आमंत्रित कीजिए।

OR

आप विद्यालय में शुरू हो रही कम्प्यूटर कक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए आपको रुपये 1500 जमा करने हैं। कम्प्यूटर के लाभ बताते हुए पिताजी से पैसे मँगवाने के लिए पत्र लिखें।

16. जींस विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

आपको दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है। इस हेतु विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

17. पितृ दिवस की शुभकामना देते हुए अपने पिता को 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

बसंत पंचमी की शुभकामना देते हुए अपने प्रिय मित्र को 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A

Sample Paper 10 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) हँसी को
   II. (ii) मीठी मदिरा के
   III. (iii) उसका स्वास्थ्य बढ़ता है
   IV. (iv) आन्तरिक हँसी
   V. (iv) उसका दुःख घटता है

OR

   I. (i) पाठकों की मानसिकता और अभिरुचि का बदलना
   II. (iii) जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक न हो
   III. (iii) निरपेक्ष
   IV. (ii) वह उत्तेजना उत्पन्न नहीं करती
   V. (i) वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक हैं
2. I. (i) अकर्मण्य को
   II. (ii) मानवता से प्यार करने वाले को
   III. (iii) दूसरों के दुःख को अपनाने को
   IV. (ii) हर्ष - विषाद के निरंतर क्रम से
   V. (i) संघर्ष को

OR

   I. (i) पथ की पहचान करने की।
   II. (iv) मूक निशानी से।
   III. (iv) उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं।
   IV. (i) कर्मवीर।
   V. (iii) जीवन की कठिनाइयों के प्रति।
3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (b) तीन

   Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (c) श्रृंगार रस

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।

   ii. (c) उत्साह

   Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।

   iii. (c) रति

   Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।

   iv. (d) स्थायी भाव

   Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

   v. (d) करुण रस

   Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।

7. I. (i) खीरे के इस्तेमाल पर।

   II. (i) नहीं हो सकती।

   III. (ii) स्वादिष्ट।

   IV. (iii) लेखक के ज्ञान-चक्षु खुल गए।

   V. (iv) ऐसा तरीका जिसका भौतिक अस्तित्व नहीं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

   i. (b) नगरपालिका के अधिकारी ने

   Explanation: नगरपालिका के एक उत्साही अधिकारी ने नेताजी की प्रतिमा लगवा दी थी ताकि लोग अधिकारी की प्रशंसा करें।

   ii. (b) हिंदी भाषा

   Explanation: वे हिंदी भाषा से अत्यंत लगाव रखते थे । उन्होंने अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश भी बनाया ।

   iii. (d) बड़े भाई और पुरोहित जैसे

   Explanation: बड़े भाई और पुरोहित जैसे

9. I. (iii) दीवानगी

   II. (iv) कमल के पत्ते से

   III. (iii) उद्धव

   IV. (i) मुग्ध होना

   V. (ii) प्रेम की नदी

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

    i. (d) राम

    Explanation: राम

ii. (d) ऋतुराज

Explanation: ऋतुराज

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
    i. मोह और प्रेम में अंतर होता है | मोह में व्यक्ति स्वार्थी हो जाता है जबकि प्रेम में व्यक्ति के लिए अपने प्रेमी का हित-चिंतन ही सर्वोपरि होता है | इसे भगत के जीवन के आधार पर इस प्रकार समझा जा सकता है -
        i. भगत अपने बेटे से प्रेम करते थे मोह नहीं इसलिए उसकी मृत्यु पर वे मोही व्यक्ति के समान विलाप नहीं करते क्योंकि उनका पुत्र इस सांसारिक बंधन से मुक्त हो गया | उनके अनुसार यह प्रसन्नता का अवसर है |
        ii. अपने पुत्र के श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर भगत पुत्रवधू के भाई को बुलाकर उसके पुनर्विवाह का आदेश देते हैं | यदि वे मोही होते तो बुढ़ापे में अपनी देखभाल के लिए वे अपनी पुत्रवधू को उसके भाई के साथ नहीं भेजते और न ही उसे पुनर्विवाह का आदेश देते | यहाँ अपने प्रिय का हित-चिंतन उनके लिए सर्वोपरि हो था और यही उनके प्रेम की अंतहीन सीमा थी |
    ii. लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा होगा क्योंकि उन्हें ज्यादा दूर नहीं जाना था| वह भीड़ से हटकर नई कहानी के बारे में सोचते हुए यात्रा करना चाहते थे | इसके अतिरिक्त उन्होंने सोचा कि वह प्राकृतिक दृश्यों का भी आनंद उठा लेंगे |
    iii. कैप्टन के मरने पर पानवाले द्वारा इस प्रकार का भाव व्यक्त किया जाना हमें उसके मन में कैप्टन के प्रति अगाध प्रेम और सम्मान को दर्शाता है। पानवाले ने भले ही कैप्टन के जीवनकाल में उसकी हंसी ही उड़ाई हो और उसे मजाक का पात्र बनाया। यहाँ तक कि उसने कैप्टन को लंगड़ा भी बताया। फिर भी कैप्टन के मरने के बाद पानवाले की आंखों में आंसू आने से हमें साफ पता चलता है कि वह अन्दर ही अन्दर कैप्टन से अपनत्व की भावना रखता था।
    iv. परिमल में सभी सदस्य एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे थे जिसके बड़े फादर बुल्के थे। विनोद, हास-परिहास के साथ वे साहित्यिक गोष्ठियों में बेबाक राय देते तथा सभी परिवारों के संस्कारों में बड़े भाई और पुरोहित की भाँति खड़े रहकर सबको अपने आशीर्वाद से भर देते।
12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
    i. लड़की को सांसारिक सूझबूझ से काम करने की जानकारी नहीं थी। वह वैवाहिक जीवन की कठिनाइयों से अपरिचित थी। उसे सांसारिक छल-कपट की समझ नहीं है। वह सरल स्वभाव की है। उसे ससुराल में किस प्रकार से व्यवहार करना है उसकी बिल्कुल भी जानकारी नहीं है वह सिर्फ एक बात जानती है कि वहां पर उसके पति होंगे और उसके सास और ससुर होंगे जो उसको अपने माता पिता की तरह ही रखेंगे।
    ii. उत्साह एक आह्वान गीत है जिसमें कवि ने बादलों का आह्वान किया है | किसी भी परिवर्तन के लिए जोश की आवश्यकता होती है इसलिए कवि नवचेतना लाने के लिए बादलों का आह्वान करता है जिससे वातावरण परिवर्तित हो सके |
    iii. यह सही कहा गया है कि साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। एक विनम्र व्यक्ति ही संकट के समय में भी अपना आपा नहीं खोता है। अपना संयम नहीं खोता है। जो विनम्र नहीं होते हैं वे मानसिक रूप से शीघ्र विचलित हो जाने के कारण अपना धैर्य खो बैठते हैं और गलतियाँ करने लगते हैं। इससे उनका नुकसान ही होता है।
13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. शिशु का मूल नाम तारकेश्वर नाथ था। उसके पिता शिवभक्त थे | सुबह नहला-धुला कर वे उसे अपने पास पूजा में बिठा लेते | समीप बिठाकर वे उसके ललाट पर भभूत लगाकर त्रिपुंडाकार का तिलक लगा देते | लम्बी जटाएं होने के कारण वह खासा बमभोला प्रतीत होता | पिताजी शिशु से कहते कि बन गया भोलानाथ | फिर तारकेश्वर नाथ न कहकर धीरे-धीरे उसे भोलानाथ कहकर पुकारने लगे और फिर नाम हो गया भोलानाथ।

ii. रानी के दौरे को लेकर सभी तैयारियाँ लगभग पूरी हो चुकी थी। एक दिन अचानक ही एक बड़ी परेशानी आ गई थी | इस परेशानी ने सरकारी तन्त्र के माथे पर बल डाल दिए | यह बड़ी परेशानी थी कि अचानक उसी समय जॉर्ज पंचम की लाट से नाक गायब हो गई | हथियारबंद पहरेदारों के द्वारा गश्त लगने पर भी नाक गायब हो गई थी। नई दिल्ली में सब कुछ संपन्न दिखाई दे रहा था, पर जॉर्ज पंचम की नाक न होना तन्त्र की नाक की बात हो गई थी | अब तंत्र के सामने यह समस्या हो गई थी कि समय रहते नाक कैसे लगवाई जाए ?

iii. सिक्किम की राजधानी गंगटोक और उसके आगे हिमालय की यात्रा करते हुए लेखिका मधु कांकरिया सोचती है कि काश कश्मीर के साथ भी ऐसा सहज विलय हो जाता। कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग तो है परन्तु वहाँ शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय सेना को तैनात किया गया है। लेकिन कुछ अलगाववादी संगठन भारत के जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाना चाहते हैं और इसके लिए वे अलगाववादी ताकते आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं। और सीमा पार से आतंकवादियों की गतिविधियाँ कश्मीर में चल रही हैं। पाकिस्तान उन आतंवादियों को भारत के खिलाफ नैतिक एवं आर्थिक समर्थन दे रहा है, हथियार भी दे रहा है। और भारत के इस जम्मू कश्मीर राज्य को काफी समय से अशांत किए हुए है। जब तक हम सीमा पार चल रहे पाकिस्तान के आतंकवादियों के आतंकी ट्रेनिंग शिविरों को नष्ट नहीं कर देते तब तक स्वर्ग के समान दिखने वाला जम्मू कश्मीर में शांति नहीं हो सकती।

लेखिका यह कहना चाहती है कि जिस तरह सिक्किम का भारत के विलय हुआ और जनता ने उसे जिस रूप में स्वीकार किया काश जम्मू कश्मीर का भी इसी प्रकार का विलय भारत में हुआ होता तो यह अशांति देखने को नहीं मिलती। फिर से यहां धरती पर स्वर्ग वाली कहावत चरितार्थ हो जाती। लोगों में शांति और भाईचारा पनपने लगता। जनता में आतंकवाद का भाई समाप्त हो जाता।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों

ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

ii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।

जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।

हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

iii. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

15. 421, दशरथ,
नई दिल्ली-18
दिनांक : 17 जनवरी, 2019
प्रिय मित्र गोविंदन
सादर नमस्कार,
आशा है कि तुम सपरिवार कुशल से होगे। कल ही तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि तुम्हारी परीक्षा

समाप्त हो गयी है और तुम्हारा विद्यालय 30 जनवरी तक बन्द हो गया है। मेरी तथा मेरे घर के सभी सदस्यों की बहुत दिनों से यह इच्छा थी कि तुम्हें कुछ दिनों के लिए यहाँ बुलाएँ, परंतु तुम्हारी पढ़ाई का विचार कर ऐसा नहीं कर पाए। अब तुम्हारी परीक्षा समाप्त हो गई है और विद्यालय बंद हो गया है अतः अब तुम्हें यहाँ आने में कोई दिक्कत नहीं होगी । इस बार हमने रानीखेत और नैनीताल की यात्रा का कार्यक्रम बनाया है। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य मन को लुभाने वाला है तथा झीलें भी बहुत बड़ी-बड़ी हैं। आपके चेन्नई में यह सब कहाँ देखने को मिलता है। इस मौसम में रानीखेत और नैनीताल की सुंदरता उस समय कई गुना बढ़ जाती है जब वहाँ बर्फ गिरती है। सैलानी खूब जी भर कर उस बर्फ में खेलते हैं और आनंद उठाते हैं। मैंने और भी कई पुराने मित्रों को निमंत्रित किया है वे सभी आने के लिए तैयार हैं बस तुम्हारी हाँ का इंतजार है।

प्रिय मित्र, मुझे पूरा विश्वास है कि तुम निश्चित रूप से मेरे निमंत्रण को स्वीकार करोगे | हम सभी तुम्हारी हाँ की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मैंने कई योजनाएँ बनाई है | इस बार तुम जरूर आना क्योंकि शायद मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश चला जाऊँगा। मेरी बहुत इच्छा है कि हम सभी पुराने मित्र एक बार अवश्य मिलें। आने से पूर्व यहाँ पहुँचने की तिथि से अवगत कराना जिससे मैं तुम्हें लेने स्टेशन आ सकूँ। अपने आने की सूचना यथाशीघ्र भेजना।

तुम्हारा मित्र

बलवंत

OR

119, वसंत कुंज, नई दिल्ली

दिनांक : 17 जनवरी, 2019

पूजनीय पिताजी

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक आपकी कुशलता की कामना करता हूँ। बोर्ड परीक्षा निकट होने के कारण पढ़ाई ज़ोरों पर है। अन्य विषयों में मुझे कोई परेशानी नहीं है किन्तु कंप्यूटर विषय मेरा बिलकुल भी तैयार नहीं है। परीक्षा के अलावा भी इसका ज्ञान बहुत आवश्यक है। आगे समाचार यह है कि हमारे विद्यालय में कम्प्यूटर सिखाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएँ लगाई जा रही हैं जिसका शुल्क 11500 है। पिताजी आप तो जानते ही हैं आजकल कम्प्यूटर ज्ञान अनिवार्य है। जिसे कम्प्यूटर नहीं आता उसे नौकरी भी नहीं मिलती। मैं भी कम्प्यूटर सीखना चाहता हूँ। आशा है आप फीस के पैसे तुरन्त भेज देंगे। इसका मुझे प्रमाणपत्र भी मिलेगा जो बाद में काम भी आयेगा। मेरी रुचि और आवश्यकता को देखते हुये शीघ्र पैसे भेजे ताकि मैं उन कक्षाओं में अपना नाम लिखा सकूँ।

शेष सब ठीक हैं। माताजी को चरण स्पर्श, छोटी को स्नेह।

आपका पुत्र

मोहित

16.

खुल गया! खुल गया! खुल गया!

"रखे चुस्त-दुरुस्त

बढ़ाए हर एक की शान

रंग है इसके मस्त"

आरामदायक जींस जो

आपकी पहचान सबसे अलग रखें ।

(सभी प्रकार के साइज़ में उपलब्ध)

आपका अपना

पीयूष जींस

जींस ही जींस

दीपावली के शुभ अवसर पर दो जींस के साथ एक आकर्षक घड़ी बिलकुल मुफ़्त

(1000₹-2) जींस

(पता= पीयूष जींस -प्रधान चौक पालम नई दिल्ली)

OR

<u>आवश्यकता है</u>

कपड़े की दुकान पर काम करने वाले कुछ लडकों की|

उम्र 18 से 21 वर्ष तक वेतन योग्यतानुसार। रहने खाने की व्यवस्था दुकान की तरफ से होगी। मेहनती एवं स्वस्थ लड़के ही आवेदन करें ।

पूर्व अनुभवी को प्राथमिकता

पहचान-पत्र के साथ मिलें प्रातःकाल :- 9-10 के बीच।

राजेश चौधरी : -900125XXXX

दुकान संख्या २५,घंटा घर, पाटन (राजस्थान)

17.

संदेश

19 जून, 2020

प्रातः : 6:00 बजे

पूज्य पिताजी,

आज पितृ दिवस के अवसर पर आपको शत्-शत् नमन करता हूँ। मैं जानता हूँ की बच्चों के भाग्य निर्माण में पिता की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। पिता वृक्ष के समान अपनी संतान को सुख और संपन्नता रुपी छांव प्रदान करता है। आप मेरे लिए दिन-रात परिश्रम करते हैं। आपके जैसे पिता सबको मिले।

आपका पुत्र

कर्ण

OR

संदेश

30 जनवरी, 2020

प्रातः 6 बजे

प्रिय मित्र सोहन ,

लेके मौसम की बहार आया बसंत ऋतु का त्योहार आओ हम सब मिलकर मनाएँ दिल में भरकर उमंग और प्यार मुबारक हो आपको बसंत पंचमी का त्योहार।

तुम्हारा मित्र

संदीप